माइलेज, परफॉर्मेंस और इको फ्रेंडली
हाइब्रिड टेक्नोलॉजी

इलेक्ट्रिक कार खरीदें या हाइब्रिड, यह सवाल कार खरीदने वालों के लिए परेशानी का सबब बना रहता है। कार डीलर इसका जवाब निजी जरूरत या प्राथमिकता से जोड़ते हैं। मसलन, यदि आप शहर में अधिक गाड़ी चलाते हैं और ईंधन की बचत करना चाहते हैं, तो हाइब्रिड कार अच्छा विकल्प हो सकती है। लेकिन यदि लंबी दूरी तक गाड़ी चलाते हैं, तो आपको एक पारंपरिक पेट्रोल-डीजल के अलावा माइल्ड हाइब्रिड कार ही लेने के बारे में सोचना चाहिए । अधिकतर लोग बेहतर माइलेज, कम प्रदूषण, आरामदायक सवारी, सब्सिडी और बढ़िया रीसेल वैल्यू जैसे फायदों की वजह से इलेक्ट्रिक, पेट्रोल-डीजल और सीएनजी कारों की बजाय हाइब्रिड कारें खरीदने की सोचते हैं। ऐसे में यदि इनकी कीमतें कम हो जाए तो 10-12 लाख के सिगमेंट में भी किफायती ऑप्शन बन सकती हैं। फिलहाल टोयटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर और कैम्री, इनोवा हाईक्रास, मारूति ग्रैंड विटारा, होंडा सिटी ई एचईवी जैसे मॉडल सड़क पर दौड़ते देखे जा सकते हैं, तो किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा लॉन्चिंग की तैयारी में हैं।

तीन तरह की होती हैं हाइब्रिड कार

ये कारें तीन तरह की होती हैं। माइल्ड हाइब्रिड में जहां इलेक्ट्रिक मोटर केवल इंजन की मदद करता है, वहीं स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड कुछ दूरी तक पूरी तरह बैटरी से चल सकती है, जबकि प्लग-इन हाइब्रिड की बैटरी को बाहरी चार्जर से भी चार्ज किया जा सकता है।

ट्रांजिशन तकनीक के रूप में उभरने के लिए खुला बाजार

- भारत में इलेक्ट्रिक कारों का दबदबा बढ़ने में अभी थोड़ा और समय लग सकता है। इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। हाईवे या एक्सप्रेसवे पर चार्जिंग स्टेशन अब खुलने शुरू हो रहे हैं। ऐसे में हाइब्रिड कारें एक ट्रांजिशन तकनीक के रूप में उभर सकती हैं।

तकनीक के 97 साल बाद पहली पीढ़ी की कार

हाइब्रिड कार का जन्म 20वीं सदी की शुरुआत में हुआ था। फर्डिनेंड पोर्श और जैकब लोहनर द्वारा विकसित लोहनर-पोर्श मिक्सटे को दुनिया का पहला हाइब्रिड वाहन माना जाता है। इसमें एक गैसोलीन इंजन और चार इलेक्ट्रिक मोटर लगे थे। लेकिन अपर्याप्त तकनीक, बैटरी चार्ज में काफी समय और इलेक्ट्रिक मोटर की कमजोर पॉवर से यह कार लोगों को पसंद नहीं आई। इसके बाद साल 1997 में टोयोटा ने पहली पीढ़ी की हाइब्रिड कार प्रियस लॉन्च की। यह कार सफल रही।

ईंधन की खपत कम, सफर दूर तक

हाइब्रिड कारों में पारंपरिक पेट्रोल इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर भी होता है। यह कार जरूरत के अनुसार कभी पेट्रोल इंजन, कभी इलेक्ट्रिक मोटर और कभी दोनों का इस्तेमाल करती है। इस कारण ईंधन की खपत कम होती है और माइलेज बेहतर मिलता है। इलेक्ट्रिक कारें जहां सिर्फ बैटरी और इलेक्ट्रिक मोटर से चलती हैं, और पेट्रोल या डीजल की जरूरत नहीं होती है, वहीं हाइब्रिड कारों में दो सिस्टम होते हैं, पहला पेट्रोल या डीजल इंजन और दूसरा इलेक्ट्रिक मोटर।

चार्जिंग की जरूरत नहीं, चलाने के दौरान चार्ज हो जाती हैं चार्ज

इलेक्ट्रिक कार को चार्ज करने के लिए जहां घर पर चार्जर या बाहर चार्जिंग स्टेशन की जरूरत होती है, वहीं हाइब्रिड कारों को चार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ती है। यह ड्राइविंग के दौरान ऑटोमैटिकली चार्ज हो जाती हैं।

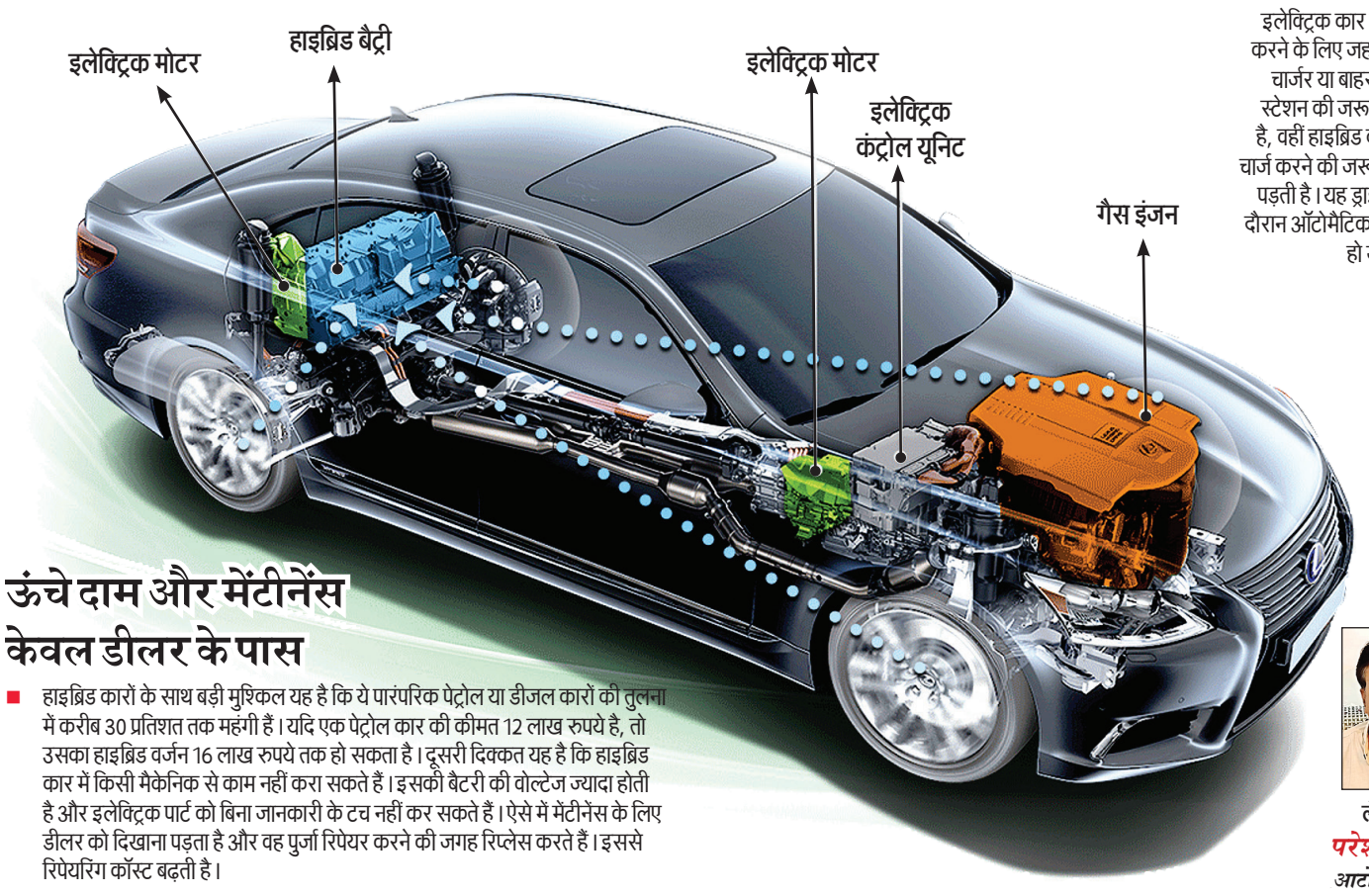

ऊंचे दाम और मेंटीनेंस केवल डीलर के पास

- हाइब्रिड कारों के साथ बड़ी मुश्किल यह है कि ये पारंपरिक पेट्रोल या डीजल कारों की तुलना में करीब 30 प्रतिशत तक महंगी हैं। यदि एक पेट्रोल कार की कीमत 12 लाख रुपये है, तो उसका हाइब्रिड वर्जन 16 लाख रुपये तक हो सकता है। दूसरी दिक्कत यह है कि हाइब्रिड कार में किसी मैकेनिक से काम नहीं करा सकते हैं। इसकी बैटरी की वोल्टेज ज्यादा होती है और इलेक्ट्रिक पार्ट को बिना जानकारी के टच नहीं कर सकते हैं। ऐसे में मेंटीनेंस के लिए डीलर को दिखाना पड़ता है और वह पुर्जा रिपेयर करने की जगह रिप्लेस करते हैं। इससे रिपेयरिंग कॉस्ट बढ़ती है।

लेखक
परेश त्रिवेदी
आटो एक्सपर्ट

बारिश में धोते रहें वाहन वर्ना पेंट की चमक पड़ सकती है फीकी

- अगर आप शहर में रहते हैं और रोज कार या बाइक का इस्तेमाल करते हैं, तो महीने में तीन बार तक वाहन को धोना बढ़िया है। औसतन हर 10 दिन में एक बार। ऐसा इसलिए क्योंकि शहर में धूल और प्रदूषण के कण वाहन की सतह या बॉडी पर जम जाते हैं। अगर इन्हें समय पर साफ न किया जाए, तो ये पेंट खराब कर सकते हैं। बारिश के मौसम में जरूर वाहन को तीन से अधिक बार धो सकते हैं, क्योंकि जलभराव या कीचड़ से गुजरने पर मिट्टी और गंदा पानी वाहन के पेंट को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- छाया में कार धोना उपयुक्त होता है। सूरज की रोशनी में पानी पानी जल्दी सूख जाने से धब्बे बन जाते हैं।
- बारिश के समय कार को वैक्स करना चाहिए। इससे पेंट की सुरक्षा होती है। पेंट चमकदार बना रहेगा।
- कार के अंदर के हिस्सों की साफ – सफाई पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि फफूंदी लगने से रोका जा सके।

ट्रैक्टर खूब बिके, बाकी वाहनों की बिक्री में दर्ज हुई गिरावट

बीते तीन महीनों की वृद्धि के बाद, देश के ऑटो रिटेल क्षेत्र ने जुलाई में ब्रेक लगा दिया। इस माह कुल खुदरा बिक्री में पिछले वर्ष इसी माह के मुकाबले 4.31 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि मारुति सुजुकी ने घरेलू कार बाजार में अपना झंडा बुलंद रखा, वहीं हुंडई ने महिंद्रा को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। इस माह यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में गिरावट आई। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री स्थिर रही। ट्रैक्टरों की बिक्री में दोहरे अंकों की वृद्धि रही, इसका कारण भरपूर बारिश और मजबूत फसल बुवाई माना जा रहा है।

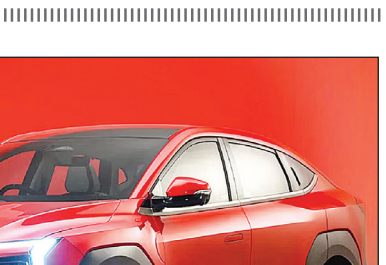

काम की बात

एथेनॉल ब्लेंड पेट्रोल का दायरा तेजी से आगे बढ़ेगा

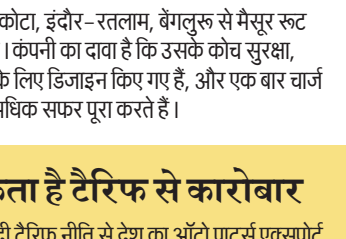

- सरकार एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा देकर ग्रीन फ्यूल पॉलिसी को आगे बढ़ा रही है। पेट्रोल पंपों पर 20 फीसदी तक एथेनॉल मिश्रण किया जा रहा है। लेकिन एथेनॉल ब्लेंड पेट्रोल का इस्तेमाल करने पर वाहन का माइलेज कम होने और मरम्मत खर्च बढ़ने की शिकायतों के बीच सरकार ने साफ कर दिया है कि एथेनॉल ब्लेंड पेट्रोल से किसी वाहन में कोई दिक्कत सामने नहीं आई है। इंडियन ऑयल पहले ही एथेनॉल के 300 से ज्यादा पेट्रोल पंप खोल चुका है। हालांकि पेट्रोल में 27 फीसदी तक एथेनॉल मिलाने को लेकर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जरूर कहा है कि अभी यह फाइनल नहीं है।

100 शहरों को जोड़ रहे प्रीमियम इलेक्ट्रिक इंटरसिटी कोच

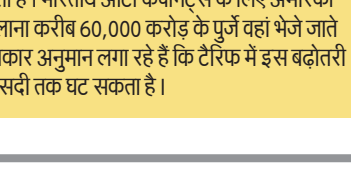

- ग्रीनसेल मोबिलिटी की न्यूगो देश की सबसे बड़ी इंटरसिटी इलेक्ट्रिक कोच सेवा बन गई है। इसकी सेवाएं 100 से ज्यादा शहरों में संचालित हो रही हैं। कंपनी सुविधाजनक, आरामदेह यात्रा उपलब्ध कराती है। न्यूगो ने पिछले दिनों दिल्ली-हिसार, जयपुर-कोटा, इंदौर-रतलाम, बेंगलुरू से मैसूर रूट पर संचालन शुरू किया है। कंपनी का दावा है कि उसके कोच सुरक्षा, समयबद्धता और आराम के लिए डिजाइन किए गए हैं, और एक बार चार्ज करने पर 250 किमी से अधिक सफर पूरा करते हैं।

40% घट सकता है टैरिफ से कारोबार

- अमेरिका की 50 फीसदी टैरिफ नीति से देश का ऑटो पार्ट्स एक्सपोर्ट काफी प्रभावित हो सकता है। भारतीय ऑटो कंपोनेंट्स के लिए अमेरिका एक बड़ा बाजार है। सालाना करीब 60,000 करोड़ के पुर्जे वहां भेजे जाते हैं। आटो उद्योग के जानकार अनुमान लगा रहे हैं कि टैरिफ में इस बढ़ोतरी से यह कारोबार 40 फीसदी तक घट सकता है।

बाइक को खास लुक देने से पहले समझ लें नियम-शर्तें

बड़ी संख्या में युवक अपनी बाइक को आकर्षक या खास लुक देने के लिए मॉडिफिकेशन कराते हैं। कोई साइलेंसर बदलवाता है तो कोई बॉडी या लाइट में बदलाव कराता है, लेकिन कई बार यह काम जानकारी नहीं होने से परेशानी का सबब बन जाता है।

बीमा और वारंटी के नियम देख लें

- अगर आपकी बाइक वारंटी या बीमा कवर में है, तो अवैध बदलाव कराने पर ये रद्द हो सकते हैं। बीमा कंपनियां वैध बदलाव ही कवर करती हैं, कंपनी की वारंटी भी तब खत्म हो जाती है, जब आप बाइक के ओरिजिनल पार्ट्स से छेड़छाड़ या बदलाव करते हैं। इसलिए कंपनी की शर्तों को ध्यान से पढ़कर ही फैसला लें।

आरटीओं के नियम भलीभांति समझें

- बाइक मॉडिफाई कराने से पहले सुनिश्चित कर लें कि यह आरटीओ के नियमों में आता भी है या नहीं। हर तरह का मॉडिफिकेशन कानूनी दायरे में नहीं आने से ट्रैफिक पुलिस जुर्माना लगाने के साथ बाइक जब्त भी कर सकती है। साइलेंसर, हेडलाइट और बॉडी स्ट्रक्चर से जुड़े बदलाव नियमों की जानकारी लेकर ही करें।
- **सुरक्षा से कोई खिलवाड़ न करें :** बाइक को ब्यूटीफुल बनाने में सुरक्षा से समझौता न करें। ब्रेक, टायर, साइलेंसर या सस्पेंशन आदि को बदलने में क्वालिटी ब्रांड्स का ही इस्तेमाल करें। लोकल या सस्ते पार्ट्स दुर्घटना का खतरा बढ़ा सकते हैं।

अनुभवी मैकेनिक का ही चुनाव करें

बाइक का गलत मॉडिफिकेशन कराने से उसकी परफॉर्मेंस और सुरक्षा पर असर पड़ता है, इसलिए किसी अनुभवी मैकेनिक से सलाह लेकर ही टेक्निकल बदलाव कराएं, ताकि बाइक सुरक्षित, टिकाऊ और स्थिर बनी रहे।

सड़क पर ठसक से दिखा रही झलक

महिंद्रा एंड महिंद्रा यूएसवी के क्षेत्र में एक के बाद एक बड़ा धमाका कर रही है। कंपनी की इलेक्ट्रिक कार XEV 9e और BE 6 में बेहतरीन सस्पेंशन, एडवांस एडीएएस और 500 किमी से अधिक की सिंगल चार्ज रेंज मिल रही है। दोनों एसयूवी में उपलब्ध ऑटो पार्क, एमएआईए नामक इंटीग्रेटेड एआई फीचर ग्राहकों को काफी पसंद आ रहे हैं।

ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आर्किटेक्चर आधारित प्रणाली का हुआ है उपयोग

रुद्रपुर में कुमार ऑटोमोबाइल के महाप्रबंधक (सेल्स) विपिन पांडे ने बताया महिंद्रा XEV 9e और BE 6 में ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आर्किटेक्चर आधारित प्रणाली लगी है। यह एक शक्तिशाली प्रोसेसर और उन्नत एआई एल्गोरिदम का उपयोग करके बेहतर कनेक्टिविटी होने के कारण एमएआईए 5 जी, वाईफाई और ब्लूटूथ के माध्यम से आसान कनेक्टिविटी प्रदान करती है। दोनों एसयूवी में उपलब्ध एमएआईए में ड्राइवर की थकान का पता लगाने और सुरक्षा के लिए एक डीओएम (सेल्फी) कैमरा भी है, जो जरूरत पड़ने पर ब्रेक लगाने की सलाह देता है।

आईएनजीएलओ तकनीक का प्रयोग

- यह सिस्टम 30 से अधिक प्री-इंस्टॉल एप्स के साथ नया यूआई प्रदान करता है और निजी प्राथमिकताओं के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है। एडीएस, एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम) सुविधाओं जैसे ऑटोनॉमस पार्किंग, 360 डिग्री कैमरा और लेवल 2 एडीएएस सूट को भी सपोर्ट करता है। कार को एंग्लो (आईएनजीएलओ) तकनीक प्लेटफार्म से तैयार किया गया है। इस कारण ग्राहकों को आ रही हैं। महिंद्रा XEV 9e की शुरुआती कीमत 21.90 लाख जबकि BE 6 की कीमत 18.90 लाख रुपये है।